

केन्द्रीय विद्यालय संगठन, अहमदाबाद संभाग
KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN, AHMEDABAD REGION

प्री बोर्ड 2 परीक्षा: 2025-26
PRE BOARD 2 EXAMINATION: 2025-26

विषय – हिन्दी आधार (302)

कक्षा – XII

अधिकतम अंक – 80 अंक

निर्धारित समय : 3 घंटे

सामान्य निर्देश/GENERAL INSTRUCTIONS:

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका अनुपालन कीजिए: -

1. यह प्रश्न-पत्र तीन खण्डों में विभाजित है।
2. खंड - क में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. खंड 'ख' में अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक के आधार पर प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
4. खंड - ग में पाठ्यपुस्तक आरोह तथा वितान से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
5. तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
6. यथासंभव तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड 'क' (अपठित बोध)

अपठित बोध

(18)

1

निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-

10

बालमन तकनीक के जाल में बुरी तरह उलझ गया है। खेल, सूचनाएँ, अध्ययन से जुड़ी सामग्री, विद्यालयी गतिविधियों की जानकारीयाँ और मित्रता तक सब कुछ बच्चे तकनीकी संसाधनों के माध्यम से ले रहे हैं। तकनीक के सीमित क्षेत्र में मासूम मन ने अपनी एक अलग दुनिया बना ली है। पल-पल अवतरित होती सामग्री बालमन को बहला ही नहीं, भटका भी रही है। हर तरह के रंग लिए इस सामग्री में रमे बच्चों को कोई हिदायत या अभिभावकों की सहज सलाह भी स्वीकार नहीं। इन माध्यमों ने बच्चों की मासूमियत ही नहीं समझ भी छीन ली है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मोबाइल गेमिंग की लत को एक डिसऑर्डर माना है। इस आभासी व्यस्तता के कारण एकाग्रता के साथ-साथ बच्चों की बाल सुलभ रचनात्मकता भी खो रही है। गेमिंग की लत के कारण शारीरिक गतिविधियाँ घटने से बच्चों को मोटापा, आलस और अनिद्रा की समस्याएँ घेर रही हैं। एम्स के चिकित्सकों के अनुसार हमारे यहाँ 2050 तक लगभग 40 से 45 फीसदी बच्चे मायोपिया का शिकार हो जाएँगे।

बच्चों की इस बदलती दुनिया में अभिभावकों का समय रहते चेतना आवश्यक है। बच्चों और बड़ों

के बीच नियमित संवाद ज़रूरी है। घर का माहौल बदलना और माता-पिता का भी स्मार्टफोन की चकाचौंध से दूर रहना पहला कदम है। मोबाइल फोन की लत के शिकार बच्चों को धीरे-धीरे संयम के साथ सहज जीवन की ओर मोड़ना होगा। बीते दिनों फ्रांस में स्नायु विज्ञानी, मनोवैज्ञानिक और अन्य विशेषज्ञों की समिति ने अपनी रिपोर्ट में सिफारिश की है कि बच्चों को तेरह वर्ष की आयु तक स्मार्टफोन का प्रयोग नहीं करने देना चाहिए और 18 वर्ष की आयु तक सोशल मीडिया मंचों के प्रयोग पर भी पूरी तरह रोक लगा देनी चाहिए। तकनीक के इस जाल में उलझने से बचाने या उलझने के बाद फिर सहज जीवन से जोड़ने का पहलू हो, दोनों मोर्चों पर माता-पिता का संयमित और समझ भरा बर्ताव बच्चों का जीवन सहेज सकता है।

- (i) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उचित विकल्प का चयन कर लिखिए : 1

कथन : आभासी दुनिया में रमे बच्चों को बड़ों की सहज सलाह भी स्वीकार्य नहीं है।

कारण : तकनीकी संसाधनों ने बच्चों की मासूमियत के साथ-साथ उनके सोचने समझने की शक्ति को भी प्रभावित किया है।

विकल्प :

(A) कथन तथा कारण दोनों ग़लत हैं।

(B) कारण सही है, किंतु कथन ग़लत है।

(C) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की ग़लत व्याख्या करता है।

(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

- (ii) वर्तमान समय में बालमन किसमें उलझा हुआ है ? 1

(A) खेलकूद के जाल में

(B) परीक्षाओं की तैयारी में

(C) तकनीक के जाल में

(D) आभासी मित्रों के जाल में

- (iii) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए : 1

कथन I : तकनीकी सामग्री से बालमन भटक रहा है।

कथन II : तकनीकी सामग्री का बच्चों की मासूमियत पर कोई असर नहीं पड़ता ।

कथन III : तकनीकी सामग्री के कारण बच्चे कुशाग्र बुद्धि बन रहे हैं।

कथन IV : तकनीकी सामग्री के कारण बच्चों की एक अलग दुनिया बन चुकी है।

गद्यांश के अनुसार कौन-से कथन सही हैं ?

(A) केवल कथन I, II और III सही हैं।

(B) केवल कथन II और III सही हैं।

(C) केवल कथन I, II और IV सही हैं।

(D) केवल कथन I और IV सही हैं।

- | | | |
|-------|---|---|
| (iv) | तकनीकी संसाधनों की महत्ता संबंधी कोई दो बिंदु लिखिए । | 1 |
| (v) | मोबाइल गेमिंग का बच्चों पर क्या प्रभाव पड़ रहा है ? | 2 |
| (vi) | आभासी दुनिया के दुष्प्रभावों से बच्चों को बचाने के लिए अभिभावकों को क्या-क्या कदम उठाने चाहिए ? | 2 |
| (vii) | फ्रांस में विभिन्न विषय विशेषज्ञों की समिति ने आभासी दुनिया से संबंधित रिपोर्ट में कौन-कौन सी सिफारिशें की हैं? | 2 |

2 निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: - (08)

जीवन का अभियान दान-बल से अजस्र चलता है,
 उतनी बढ़ी ज्योति, स्नेह जितना अनल्प जलता है।
 और दान में रोक या हँसकर हम जो देते हैं,
 अहंकारवश उसे स्वत्व का त्याग मान लेते हैं।
 यह न स्वत्व का त्याग, दान तो जीवन का झरना है,
 रखना उसको रोक, मृत्यु से पहले ही मरना है,
 किस पर करते कृपा वृक्ष यदि अपना फल देते हैं ?
 गिरने से उसको सँभाल, क्यों रोक नहीं लेते हैं ?
 ऋतु के बाद फलों का रुकना डालों का सड़ना है,
 मोह दिखाना देय वस्तु पर आत्मघात करना है।
 देते तरु इसलिए कि रेशों में मत कीट समाएँ
 रहें डालियाँ स्वस्थ कि उनमें नये-नये फल आएँ
 जो नर आत्मदान से अपना जीवन घट भरते हैं
 वही मृत्यु के मुख में भी पड़कर न कभी मरते हैं
 जहाँ कहीं है ज्योति जगत में, जहाँ कहीं उजियाला
 वहाँ खड़ा है कोई अंतिम मोल चुकाने वाला।

- | | | |
|-------|---|---|
| (i) | 'अंतिम मोल चुकाने वाला' से अभिप्राय है : | 1 |
| | (A) वस्तु की अंतिम कीमत अदा करने वाला | |
| | (B) स्वत्व का त्याग कर, परोपकार का दीया जलाने वाला | |
| | (C) स्वत्व की पूर्ति हेतु कोई भी कीमत अदा करने वाला | |
| | (D) कीमत के आधार पर लोगों की सहायता करने वाला | |
| (ii) | दान को जीवन का झरना क्यों कहा गया है ? | 1 |
| | (A) दान कभी व्यर्थ नहीं जाता | |
| | (B) दान देने से कीर्ति बनी रहती है | |
| | (C) दान को रोकने से मृत्यु से पहले ही मृत्यु हो जाती है | |
| | (D) दान देने से जीवन की निरंतरता बनी रहती है | |
| (iii) | कविता के केंद्रीय भाव को दर्शाने वाला/वाले कथन है/हैं : | 1 |

- (I) दान से जीवन को गति मिलना
- (II) परोपकार की प्रेरणा
- (III) मृत्यु का वरण करना

विकल्प :

- (A) केवल (I)
 - (B) केवल (II)
 - (C) (I) और (II) दोनों
 - (D) (I), (II) और (III) तीनों ही
- (iv) कवि ने लोगों के द्वारा दान को क्या मान लेने की बात कही है ? 1
 - (v) वृक्ष और फलों का उदाहरण यहाँ किस उद्देश्य से दिया गया है ? 2
 - (vi) आत्मदान करने वाले लोग अमर क्यों हो जाते हैं ? 2

खण्ड - ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

(22)

- 3 निम्नलिखित दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए: - 1X6=6

- 1. हमारे अधिकार और कर्तव्य
- 2. मेरे क्षेत्र का मुख्य चौराहा
- 3. सौर ऊर्जा : ऊर्जा का अक्षय स्रोत

- 4 निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं चार प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए: - 4X2=8

- (i) रेडियो समाचार लेखन में किन-किन बातों का ध्यान रखा जाता है ? 2
- (ii) कहानी और नाटक में मुख्य अंतर क्या है ? स्पष्ट कीजिए। 2
- (iii) नए और अप्रत्याशित विषय पर लिखने से आप क्या समझते हैं ? इसका अभ्यास न होने पर क्या हानि होती है ? 2
- (iv) विशेष लेखन क्या है ? विशेष लेखन और डेस्क का क्या संबंध है ? स्पष्ट कीजिए। 2
- (v) 'वायस ओवर' क्या है ? नाटक में इसका क्या महत्त्व है ? 2

- 5 निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों का लगभग 80 शब्दों में उत्तर दीजिए: - 2X4=8

- (i) पत्रकारीय लेखन किसे कहते हैं ? पत्रकारीय लेखन करने वाले पत्रकार कितने प्रकार के होते हैं ? स्पष्ट कीजिए। 4
- (ii) बीट रिपोर्टिंग और विशेषीकृत रिपोर्टिंग में क्या अंतर है ? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 4
- (iii) समाचार-पत्र में विचारपरक लेखन का महत्त्व बताते हुए संपादकीय लेखन पर टिप्पणी लिखिए। 4

खण्ड ग - (पाठ्यपुस्तक आरोह तथा वितान पर आधारित प्रश्न)

अंक
(40)

विकल्प चुनकर लिखिए:

झूमने लगे फल,

रस अलौकिक

अमृत धाराएँ फूटतीं

रोपाई क्षण की,

कटाई अनंतता की

लुटते रहने से जरा भी नहीं कम होती ।

रस का अक्षय पात्र सदा का

छोटा मेरा खेत चौकोना ।

- (i) कवि-कर्म की दृष्टि से 'झूमने लगे फल' का आशय है :

1

(A) साहित्य का आनंद आना

(B) कृति का पूर्ण रूप ग्रहण करना

(C) खेतों में फसल लहलहाना

(D) हृदय का प्रसन्नता से झूमना

- (ii) निम्नलिखित कथनों पर विचार करते हुए पद्यांश के अनुसार सही कथन को चयनित कर लिखिए :

1

(A) कविता का आनंद शाश्वत है ।

(B) कविता का आनंद क्षणिक है ।

(C) कविता का आनंद सीमित है ।

(D) कविता का आनंद अल्पकाल तक है ।

- (iii) काव्यांश में 'अलौकिक' से तात्पर्य है :

1

(A) लौकिक

(B) अद्भुत

(C) अल्पज्ञ

(D) आस्था

- (iv) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए :

1

कथन : काव्यानंद जितना ही बँटता है उतना ही बढ़ता जाता है ।

कारण : साहित्य-सृजन प्राणिमात्र के मंगल के लिए है, काव्यानंद का वितरण लोक के आनंद का संवर्धन है ।

विकल्प :

(A) कथन सही है, कारण ग़लत है ।

(B) कथन सही नहीं है, कारण सही है ।

- (C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।
- (D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।
- (v) 'रस का अक्षय पात्र' किसे कहा गया है ? 1
- (A) कवि हृदय को (B) कविता पढ़ने से मिले आनंद को
- (C) साहित्य को (D) चौकोने छोटे खेत को
- 7 निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में उत्तर दीजिए - 2X3=6
- (i) 'लक्ष्मण-मूर्च्छा और राम का विलाप' प्रसंग ईश्वरीय राम का पूरी तरह से मानवीकरण है।' सिद्ध कीजिए 3
- (ii) 'बात सीधी थी पर' शीर्षक कविता से ली गई पंक्ति 'भाषा के चक्कर में ज़रा टेढ़ी फँस गई' का आशय स्पष्ट कीजिए। 3
- (iii) "उषा" कविता में प्रातःकालीन आकाश में होने वाले सूर्योदय का गतिशील चित्रण हुआ है।' पुष्टि कीजिए। 3
- 8 निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए - 2X2=4
- (i) 'क्रांति की गर्जना का शोषक वर्ग पर क्या प्रभाव पड़ता है ? वह अपना मुँह क्यों ढाँप लेते हैं ?' - 'बादल राग' कविता के संदर्भ में लिखिए। 2
- (ii) 'पतंग' कविता में 'बच्चों का सूरज के सामने आने' से क्या अभिप्राय है ? 2
- (iii) 'दुनिया से मेरा संबंध प्रीतिकलह का है', 'आत्मपरिचय' कविता के आधार पर कथन का आशय स्पष्ट कीजिए। 2
- 9 निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्पों को चुनकर लिखिए: 5X1=5
- शिरीष के साथ आरग्वध की तुलना नहीं की जा सकती। वह पंद्रह-बीस दिन के लिए फूलता है, वसंत ऋतु के पलाश की भाँति। कबीरदास को इस तरह पंद्रह दिन के लिए लहक उठना पसंद नहीं था।
- यह भी क्या कि दस दिन फूले और फिर खंखड़ के खंखड़ 'दिन दस फूला फूलिके खंखड़ भया पलास।' ऐसे दुमदारों से तो लँडूरे भले। फूल है शिरीष। वसंत के आगमन के साथ लहक उठता है, आषाढ़ तक जो निश्चित रूप से मस्त बना रहता है। मन रम गया तो भरे भादों में भी निर्घात फूलता रहता है। जब उमस से प्राण उबलता रहता है और लू से हृदय सूखता रहता है, एकमात्र शिरीष कालजयी अवधूत की भाँति जीवन की अजेयता का मंत्र प्रचार करता रहता है। यद्यपि कवियों की भाँति हर फूल-पत्ते को देखकर मुग्ध होने लायक हृदय विधाता ने नहीं दिया है, पर नितांत ठूठ भी नहीं हूँ।

शिरीष के पुष्प मेरे मानस में थोड़ा हिल्लाल जरूर पैदा करते हैं।

- (i) 'ऐसे दुमदारों से तो लँडूरे भले' लोकोक्ति का प्रयोग गद्यांश में किस संदर्भ में किया गया है ? 1
(A) शिरीष की तुलना में आरग्वध-पलाश को हीन बताने के लिए
(B) आरग्वध-पलाश की तुलना में शिरीष को हीन बताने के लिए
(C) छोटी पूँछ वालों को लंबी पूँछ वालों से हीन बताने के लिए
(D) बिना पूँछ वालों को पूँछ वालों से श्रेष्ठ बताने के लिए
- (ii) गद्यांश में 'ठूठ' शब्द का अर्थ है : 1
(A) पत्रहीन
(B) रसहीन
(C) भावहीन
(D) पुष्पहीन
- (iii) कबीरदास को पलाश के फूल क्यों पसंद नहीं थे ? 1
(A) संघर्ष शक्ति कम होने के कारण
(B) जीवन शक्ति कम होने के कारण
(C) महक न होने के कारण
(D) केवल वसंत में खिलने के कारण
- (iv) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर उचित विकल्प का चयन कर लिखिए : 1
कथन : शिरीष कालजयी अवधूत की भाँति जीवन की अजेयता का मंत्र प्रचार करता है।
कारण : विपरीत परिस्थितियों में भी, संघर्षों से लड़ अविचल बने रहने की जिजीविषा है।
विकल्प :
(A) कथन तथा कारण दोनों ग़लत हैं।
(B) कारण सही है, लेकिन कथन ग़लत है।
(C) कथन सही है, लेकिन कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।
(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।
- (v) 'शिरीष का पुष्प लेखक के मानस में हिल्लोल क्यों पैदा करता है?' इस प्रश्न के उत्तर के लिए 1
सही विकल्प का चयन कर लिखिए :
I. लेखक कवियों की भाँति भावुक और कोमल था।
II. शिरीष के बाह्य रूप पर आकर्षित हो गया था।
III. शिरीष की कठिन जिजीविषा से प्रभावित हो गया था।
IV. गर्मी और उमस से भरे वातावरण में भी शिरीष फूलों से लदा था।
विकल्प :
(A) केवल IV (B) I और II दोनों
(C) II और III दोनों (D) III और IV दोनों

- 10 निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में उत्तर दीजिए - **2X3=6**
- 'काले मेघा पानी दे' पाठ के आधार पर लिखिए कि इन्दरसेना को लेखक 'मेढक-मंडली' क्यों कहता था ? जीजी के बार-बार कहने पर भी वह इन्दरसेना पर पानी फेंकने को राजी क्यों नहीं होता ? 3
 - शिरीष के माध्यम से लेखक ने कालजयी अवधूत की भाँति विपरीत परिस्थितियों में भी अविचल खड़े रहने की प्रेरणा दी है। स्पष्ट कीजिए। 3
 - 'पहलवान की ढोलक' पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए कि गाँव में फैली महामारी के समय प्रकृति भी मनुष्य के दुख में दुखी थी। 3
- 11 निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए - **2X2=4**
- 'मेरी कल्पना का आदर्श समाज' शीर्षक के आधार पर लिखिए कि आंबेडकर के अनुसार आदर्श समाज की स्थापना के लिए क्या किया जाना चाहिए ? 2
 - केवल बाज़ार का पोषण करने वाले अर्थशास्त्र को लेखक ने अनीतिशास्त्र क्यों कहा है ? बाज़ार दर्शन पाठ के आधार पर लिखिए। 2
 - भक्तिन का कौन-सा गुण विस्मित कर देने वाला था और क्यों ? 2
- 12 निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 100 शब्दों में उत्तर दीजिए: - **2X5 = 10**
- 'सिल्वर वैडिंग' कहानी का प्रमुख पात्र वर्तमान में रहता है, किंतु अतीत को आदर्श मानता है। इससे उसके जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा ? स्पष्ट कीजिए । 5
 - जूझ' कहानी के संदर्भ में पारंपरिक पैतृक व्यवसायों के प्रति युवा पीढ़ी की विरक्ति के कारणों की समीक्षा कीजिए । 5
 - मुअनजो-दड़ो की सभ्यता को आडंबर विहीन सभ्यता क्यों कहा जाता है ? 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। 5